ग्रंथ सूची

ए. प्राथमिक स्रोत

1. ऋग्वेद संहिता (3000 ई.पू.), (i) महर्षि दयानंद सरस्वती (हिंदी) द्वारा भाष्य, दयानंद संस्थान, नई दिल्ली–5 द्वारा प्रकाशित (ii) स्वामी सत्यप्रकाश (अंग्रेजी) द्वारा भाष्य, वेद प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।
2. सामवेद (3000 ई.पू.) स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा भाष्य, दयानंद संस्थान, नई दिल्ली–5 द्वारा प्रकाशित।
3. यजुर्वेद (ऋग्वेद के बाद), स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा भाष्य, (हिंदी) दयानंद संस्थान, नई दिल्ली–5.
4. यजुर्वेद (तैत्तिरिया संहिता) (ऋग्वेद के बाद) पं. श्रीपाद दामोदर सतवलेकर द्वारा संपादित। स्वाध्याय मंडल, मराडी, जिला बालसोड़, गुजरात।
5. श्वेत यजुर्वेद (वाजसनेय संहिता) (ऋग्वेद के बाद) आर.टी.एच. ग्रिफिथ द्वारा अंग्रेजी में अनूदित, मुंशीराम मनोहर लाल प्रकाशक, रानी झांसी रोड़, नई दिल्ली, 1987.
6. अथर्ववेद (नवीनतम वेद), पं. खेमकरण दास त्रिवेदी द्वारा भाष्य, सर्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, महर्षि दयानंद भवन, रामलीला मैदान, नई दिल्ली।
7. शतपथ ब्राह्मण (2000 ई.पू.), पं. गंगा प्रसाद उपाध्याय द्वारा संपादित, प्राचीन संस्कृत अनुसंधान अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली–8.
8. गोपथ ब्राह्मण (1000 ई.पू. के पश्चात) पं. खेमकरण दास त्रिवेदी द्वारा भाष्य, डॉ. प्रजना देवी और मेधा देवी द्वारा संपादित, अथर्ववेद कार्यालय, 34 लुकरगंज, इलाहाबाद, 1977 द्वारा प्रकाशित।

महाकाव्य

9. वाल्मीकि रामायण (800 ई.पू. से 200 ई.पू.), गीता प्रेस, गोरखपुर, दो खण्डों में हिंदी अनुवाद सहित।
10. महाभारत (400 ई.पू. से 400 ई.) पं. रामनारायण दत्त शास्त्री, पाण्डेय राम द्वारा छः खंडों में अनूदित गीता प्रेस गोरखपुर।

स्मृति

11. मनु स्मृति (200 ई.पू. या उससे पहले), पं. हरगोविंद शास्त्री द्वारा संपादित, चौखम्बा संस्कृत श्रृंखला कार्यालय, वाराणसी–221 001, 1984.

दर्शन प्रणाली

12. कणाद की वैश्विका सूत्र (पूर्व–बौद्ध, 600–700 ई.पू.) ए.ई. गफ द्वारा अनूदित, ओरिएंटेड बुक्स रीप्रिंट कॉर्पोरेशन, 54, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली – 110 055, 1975.

व्याकरण

13. पाणिनी की अष्टाध्यायी (700 ई.पू.) ब्रह्मदत्त जिज्ञासु द्वारा भाष्य, रामलाल कपूर ट्रस्ट, नाहलगढ़, सोनीपत, हरियाणा द्वारा दो खंडों में प्रकाशित, 1985.

राज्य व्यवस्था

14. अर्थशास्त्र (कौटिल्य, 400 ई.पू.) आर. शमाशास्त्री द्वारा अंग्रेजी में अनूदित, मैसूर मुद्रण और प्रकाशन हाउस, मैसूर, 1967. पुराण (6वीं शताब्दी ई.पू. से 700 ईस्वी)।

15. बह्माण्ड पुराण (तृतीय, चतुर्थ शताब्दी ईस्वी) डॉ. चमन लाल गौतम द्वारा दो खंडो में प्रकाशित, संस्कृत संस्थान वेद नगर, बरेली –243 003, 1988.
16. गरुड़ पुराण, तेज कुमार बुक डिपो प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ–260001 द्वारा प्रकाशित, 1989.
17. कर्म पुराण, पं. श्री राम शर्मा, संस्कृत संस्थान वेद नगर, बरेली द्वारा दो खंडों में संपादित, 1986.
18. लिंग पुराण, उपरोक्त, 1987.
19. मार्कंडेय पुराण, डॉ. धर्मेंद्रनाथ शास्त्री द्वारा हिंदी में अनूदित, साहित्य भंडार, सुभाष बाजार, मेरठ– 250002, प्रथम संस्करण, 1983.
20. मत्स्य पुराण (6वीं शताब्दी ई.पू. से 4वीं शताब्दी ईसवी), पं. श्री राम शर्मा, वेद नगर, बरेली (उ.प्र.) द्वारा दो खंडों में संपादित, 1989.
21. नारद पुराण, उपरोक्त, 1984.
22. पद्म पुराण, उपरोक्त, 1986.
23. स्कंद पुराण, (7वीं शताब्दी ईस्वी), उपरोक्त 1988.
24. वायु पुराण, राम प्रताप त्रिपाठी शास्त्री द्वारा हिंदी में अनूदित, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, 12, सम्मेलन मार्ग, इलाहाबाद, 1987.
25. विष्णु पुराणः उक्त 24 के जैसा, 1989.

खगोलीय कार्य

26. वराह मिहिर द्वारा वृहत्संहिता (550 ईस्वी), पं. अच्युत्यानन्द झा द्वारा संपादित और भाष्य, चौखंबा विद्या भवन, वाराणसी–221001, 1988.
27. मयूरचित्रिका (नारदिया), पांडुलिपि नं. 34332, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के सरस्वती भवन पुस्तकालय में रखा गया है।
28. मेघमाला (लगभग 900 ईस्वी), पांडुलिपि नं. 37202, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के सरस्वती भवन पुस्तकालय में रखा गया है।

अन्य

29. कालीदास के मेघदूतम (100 ई.पू.) मलिनाथ द्वारा भाष्य, डॉ. जय शंकर त्रिपाठी द्वारा संपादित, देवभाषा प्रकाशन, इलाहाबाद–6.
30. कालिदास ग्रंथावली : सीताराम चतुर्वेदी द्वारा संपादित, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 1980.
31. सुद्रका की मृच्छकटिका (6वीं शताब्दी ईस्वी), डॉ. श्रीनिवास शास्त्री द्वारा हिंदी में अनूदित, साहित्य भवन, सुभाष बाजार, मेरठ (यूपी), 1980.
32. भव मिश्र (16 वीं शताब्दी ईस्वी) द्वारा भावप्रकाश निघंटु, पं. विश्वनाथ द्विवेदी शास्त्री की टीका सहित, मोतीलाल बनारसी दास प्रकाशक, दिल्ली–7, 1988.

बी. माध्यमिक स्रोत

33. बेकर, बी.एन. और हॉर्टन, आर.ई (1936), हिस्टोरिकल डैवलपमैन्ट ऑफ आइडिया रिगार्डिंग दि ओरिजन ऑफ स्प्रिंग्स एंड ग्राउंड वाटर, ट्रांस आफ अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन, वॉल्यूम 17, पेज 395–400.
34. बिस्वास, ए के (1967), हाईड्रोलॉजिकल इंजीनियरिंग (600 बी.सी. से पहले), जर्नल ऑफ हाईड्रोलिक डिवीजन, ए.एस.सी.ई. वॉल्यूम 93, पेज 115–135.
35. बिस्वास, ए.के. (1969), साईंस इन इंडिया, फिरमा के.एल. मुखोपाध्याय, कलकत्ता पेज 154.
36. बिस्वास, ए.के. (1969), हिस्ट्री ऑफ हाईड्रोलॉजी, नॉर्थ हॉलैंड पब. ii . कं., एम्स्टर्डम, लंदन, पेज 336.
37. चाउ, वी.टी. (1964), हैंड बुक ऑफ एप्लाइड हाइड्रोलॉजी मैकग्रू–हिल कंपनी, न्यूयार्क।
38. लॉ. बी.सी. (1984), हिस्टोरिकल ज्योग्रॉफी ऑफ एनसिएंट इंडिया, मुंशीराम मनोहरलाल, नयी दिल्ली।
39. पणिक्कर रायमुंडो, (1977), दि वैदिक एक्सपीरियेंस मंत्र–मंजरी मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
40. पारखे, एम.एस. और वसंत, (1989), यज्ञ कृषि, रासायनिक खेती का विकल्प, स्थायी विकास, पत्रिका, नंबर 1, खंड 3, 1989 पेज 9–11.

41. प्रकाश, एस (1965), फाउण्डर्स ऑफ सांइसेज इन एनसिएंट इंडिया, द रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एनसिएंट साइंटिफिक स्टडीज, नई दिल्ली।

42. प्रसाद, ई.ए.वी. (1979), वाटर क्वालिटी इन भावमिश्राज भाव प्रकाश, MASSLIT श्रृंखला नं. 2 एन.जे. प्रकाशन, तिरूपति।

43. प्रसाद, ई.वी. (1980), ग्राउण्ड वाटर इन वराह मिहिर्स वृहत संहिता, MASSLIT श्रृंखला नं. 1 श्री वैंकटेश्वर यूनिवर्सिटी प्रेस, तिरूपति, भारत।

44. प्रसाद, वी.टी. बी.एस. कुमार और एस. कुमार (1987), वाटर रिसोर्सेज डैवलपमैंट इन इंडिया– इट्स सेन्ट्रल रोल इन दि पास्ट एंड क्रूशियल सिग्निफिकेन्स फॉर फ्यूचर, प्रो. ऑफ दि इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन वाटर फॉर फ्यूचर, IAHR, रोम, पेज 19–34.

45. राव, ई.जी.के. कोटेकर, पी.ओ. (1971), एक्सप्लोरेशन ऑफ अंडर ग्रांउड वाटर स्प्रिंग्स एकॉर्डिंग टू दि एनसियंट हिन्दूज, इंडियन जर्नल ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइंस, वाल्यूम 6, नंबर 2, पेज 139–146.

46. सील, बी.डब्ल्यू (1918), पॉजिटिव साइंस ऑफ इनसिंयट इंडिया, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।

47. सिरकार, डी.सी. (1971), स्टडीज इन दि जियोग्राफी ऑफ एनसिंयट एंड मेडीवल इंडिया, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।

48. श्रीनिवासन, टी.एम. (1970), ए ब्रीफ एकाउंट ऑफ दि एनसियंट ईरीगेशन इंजीनियरिंग सिस्टम्स प्रिवैलेंट इन साउथ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ हिस्ट्री ऑफ साइंस, वॉल्यूम 5, नंबर 2, पेज 315–325.

49. त्रिपाठी, एम.पी. (1969) डैवलपमैंट ऑफ जियोग्राफिकल नॉलेज इन एनसिंयट इंडिया भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी–1, भारत।

50. वार्ष्णेय, आर.एस. (1979) इंजीनियरिंग हाइड्रोलॉजी, नेमचंद एंड ब्रदर्स, रूड़की (उ.प्र.)।

51. शिरसाथ, पी.बी. (2009), ईरीगेशन डैवलपमैंट इन इंडियाः हिस्ट्री एण्ड इम्पैक्ट, वाटर टैक्नोलॉजी सेंटर, आईएआरआई, नई दिल्ली http://indiairigation.blogspot.com/2009/01/history-of-irrigation-developmentin_01.html.

52. मैकक्लेन–III, जे.ई. और डॉर्न, एच. (2006), साइंस एंड टैक्नोलॉजी इन वर्ल्ड हिस्ट्रीः एन इन्ट्रोडक्शन IInd एडिशन, दि जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी प्रेस 2715, नार्थ चार्ल्स स्ट्रीट, बाल्टीमोर, मैरीलैंड 21218–4363.

53. वुओरिनन, एच.एस. जुती, पी.एस., और काटको, टी.एस. (2007), हिस्ट्री ऑफ वाटर एंड हैल्थ फ्रौम एनसियंट सिविलाईजेशन टु मॉडर्न टाइम्स, वाटर साइंस एंड टैक्नोलॉजी, वाटर सप्लाई वॉल्यूम 7 नंबर 1 पेज 49–57.

54. योनोपोलोस, एस.आई लाइबेरटोस, जी, थियोडोसिउ, एन.ली. डब्ल्यू. वैलीपोर, एम टैम्बुरिनो, ए. और एंजेलकिस, ए.एन. (2015), इवॉलुशन ऑफ वाटर लिफ्टिंग डिवाइसेज (पम्प्स) ओवर दि सेच्चुरीज वर्ल्ड वाइड वाटर 2015, 7, 5031–5060, डीओआई, 10.3390 / w 7095031.

55. स्काबोरो, वी.एल. (2003), दि फ्लो ऑफ पावरः एनसियंट वाटर सिस्टम्स एंड लैंडस्केप्सः स्कूल ऑफ अमेरिकन रिसर्च प्रेसः सांता फे, एन.एम, यू.एस. ए. पेज 204.

56. ऑटोंल्फ, सी.आर. (2009), वाटर इंजीनियरिंग इन एनसिंयंट वर्ल्ड – ऑक्योलॉजिकल एंड क्लाइमेट पर्सपैक्टिब्स ऑन सोसाइटीज ऑफ एनसियंट साउथ अमेरिका, मिडिल ईस्ट एंड साउथ अमेरिका, मिडिल ईस्ट एंड साउथ ईस्ट साउथ एशियाः ऑक्सपोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेसः न्यूयार्क, एन.वाई., यू.एस.ए. पेज 433.

57. जेरिट्स ए.एम.जे. (2010), द रोल ऑफ इंटरसैप्शन इन दि हाइड्रोलॉजिकल साइकल। डिजर्टेशन एट द वाटर्स रिसोर्सेज सैक्शन फैकल्टी ऑफ सिविल इंजीनियरिंग एंड जियोसांइसेज, डेल्फ्ट यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्नोलॉजी, एंड एट द गैब्रियल लिप्पामान रिसर्च सेंटर, लक्समबर्ग।

58. हॉर्टन, (1933), द रोल ऑफ इन्फिल्ट्रेशन इद दि हाइड्रोलॉजिक साइकल, ट्रांस अमेर जियोफिजिक, यूनियन, 14–446–460.

59. पांडे, ए (2016), सोसायटी एंड एन्वायर्नमैंट एन एनसियंट इंडिया (स्टडी ऑफ हाइड्रोलॉजी) इंटरनेशल जर्नल ऑफ ह्यूमिनिटीज एंड सोशल सांइस इन्वेन्शन, वॉल्यू 5 (2), पेज 26–31.

60. शॉ, जे. सिटक्लिफ, जे. लॉयड–स्मिथ, एल. श्वेनिंगर, जे–एल. और चौहान, एम.एस. (2007) एनसियंट ईरीगेशन एंड बुद्धिष्ट हिस्ट्री इन सेंट्रल इंडिया– ऑप्टिकली स्टिमुलेटेड ल्यूमिनेसीन डेट्स एंड पॉल्लन सीकवेंशेज फ्रॉम द सांची डैम्स। एशियन पर्सपैक्टिव, वाल्यूम. 46, नंबर 1.

61. एंजेलिस, ए.एन. और झेंग, एक्स.वाई. (2015) इवॉलुशन ऑफ वाटर सप्लाई, सैनिटेशन, वेस्टवाटर, एंड स्टॉर्म वाटर टैक्नोलॉजीज ग्लोबली। वाटर 2015, 7, 455–463, डीओईः10.3390 / w7020455.

62. हसन, एफ (2011)। वाटर हिस्ट्री फॉर अवर टाइम्स। पब्लिश्ड बाई दि यूनाइटेड नेशन्स एजुकेशनल, सांइटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन (यूनेस्को), इंटरनेशनल हाइड्रोलॉजी प्रोग्राम (आईएचपी) 7, प्लेस फोंटेनॉय, 75352 पेरिस 07 एसपी, फ्रांस।

63. ह्यूगो, वी. (1982), लेस मिसरेबल्स, ट्रांस नॉर्मन डेनी, पेंगुइन क्लासिक्स, न्यूयॉर्क, 2001.

64. अव्वन्नावर, एम.एस. और मणि, एम.ए. (2008), कॉन्सेप्चुअल मॉडल ऑफ पीपुल्स एप्रोच टु सेनिटेशन। सांइ. टोटल एन्वा. वॉल्यूम. 390, पेज 1–12.

65. सोरिनसेली, पी. (1998), स्टोरिआ सोशल डेली'क्यूक्वा। रीति ई कल्चर। मिलानोः मोंडाडोरी।

66. डी फियो, जी और नेपाली, आर.एस.ए. (2007), हिस्टोरिकल डैव्लपमैंट ऑफ द ऑगस्टान एक्वाडक्ट इन साउर्थन इटलीः 20 सैंचरीज ऑफ वर्क्स फ्रॉम सेरिनो टु नेपल्स। वाटर सांइस टैक्नो, वॉलयूम. 7: 131–8.

67. लोफ्रेनो, जी और ब्राउन, जे. (2010), वेस्ट वाटर मैनेजमैंट थ्रो एजेजः ए हिस्ट्री ऑफ मैनकांड। सांइस ऑफ द टोटल एन्वायर्नमैंट, वॉल्यूम. 408, पेज 5254–5264.

68. मेनेग्लियर, एच. (1994), स्ट्रोरिया डेल्क्कवा, मिलानोः सूगर कं.।

69. तर्र, जे.ए. (1985)। हिस्टोरिकल पर्सपक्टिव्स ऑन हजार्डियस वेस्ट इन दि यूनाइटेड स्टेट्स। वेस्ट मैनेजरिस. 3:95–113.

70. वायले, जी. (2000)। उन मन्डो हमा ई गेटटा। मिलानोः फेल्ट्रिनेली।

71. सोरी, ई। (2001)। La citta e i rifiuti – इकोलोगिया urbana dal Medioevo al primo Novecento। सग्गी, बोलोग्नाः इल मुलिनो।

72. नेरी सर्नेरी, एस (2007)। द कन्स्ट्रक्शन ऑफ द मॉर्डन सिटी एंड द मैनेजमैंट ऑफ वाटर रिसोर्सेज इन इटली 1880–1920। जे. अर्बन हिस्ट, वॉल्यू. 33, पेज 813–27.

73. केनोयर, जे.एम. (1997), ट्रेड एंड टैक्नोलॉजी ऑफ इंडस वैलीः न्यू इनसाइट फ्रॉम आर्क्योलॉजी, पाकिस्तान, वर्ल्ड आर्क्योलॉजी 29 (2), 262–280.

74. केनोयर, जे.एम. (1991)। द इंडस वैली ट्रेडिशन ऑफ पाकिस्तान एडं वैस्टन इंडिया, जर्न. वर्ल्ड प्रिहिस्ट 5, 331–385.

75. केनोयर, जे.एम (1998)। एनसियंट सिटीज ऑफ दि इंडस वैली सिविलाईजेशनः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, प्रेस, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ पाकिस्तान स्टडीज : कराची, पाकिस्तान, पेज 1–260.

76. खान, एस (2014)। सैनीटेशन एंड वेस्टवाटर टैक्नोलॉजीज इन हड़प्पा / इंडस वैली सिविलाईजेशन (CA 2600–1900 बी.सी)। बुक चैप्टर इन "इवॉल्युएशन ऑफ सैनीटेशन एंड वेस्टवाटर टैक्नोलॉजीज थ्रो दि सैन्चुरीज" (एडि.ः ए.एन. एंजेलकिस और जे.बी. रोज) IWA पब्लिशिंग अलायंस हाउस, 12 कैक्सटन स्ट्रीट लंदन SW1H0QS, यूके पेज 25–40.

77. वोल्फ, पी. (1999), हिस्ट्री ऑफ वेस्टवाटर। वर्ल्ड ऑफ वाटर 2000–द पास्ट, प्रजेन्ट एंड फ्यूचर। वाटर वर्ल्ड / वाटर एंड वेस्ट वाटर इंटरनेशनल सप्लीमेंट टु पेन वेल मैगजीन, तुलसा, ओएच, यूएसए, 1999.

78. राइट, आर.पी. (2010), द एनसियंट इंडसः अर्बनेज्म, इकॉनॉमी एंड सोसायटी, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयॉर्क, 396.

79. फार्डिन, एच.एफ. होले, ए. गौटियर, ई. हौरी, जे. (2013), वेस्ट वाटर मैनेजमैंट टैक्नीक्स फ्रॉम एनसियंट सिविलाइजेशंस टु मॉडर्न एजेजः एक्जाम्पल ऑफ साउथ एशिया वाटर सांइस टैक्नोल, 13, 719–726.

80. किर्क, डब्ल्यू (1975), दि रोल ऑफ इंडिया इन दि डिफ्यूजन ऑफ अर्ली कल्चर्स, द जियोग्राफिकल जर्न. 141 (1), 19–34.

81. मेट, एम.एस (1969), बिल्डिंग ऑफ एनसियंट इंडिया, वर्ल्ड आर्क्योलॉजी 1 (2), 236–246.

82. सिंह यू. (2008), हिस्ट्री ऑफ एनसियंट एंड अर्ली मेडीवल इंडिया–फ्रॉम स्टोन एज टु 12वीं सैंचुरी. पियर्सन एजुकेशन/डोरलिंग किंडरस्ले, नई दिल्ली, पेज 704.

83. कासल, जे.एम. (1949)। लेस फौलीस डे विरापटनम–एरीकेमेडु। कोम्पटेसरेन्डस डेस सेशन्स del'Acadpmie des insults et Belles-Letters, 93rd वर्ष, 2, पृष्ठ 142–147.

84. बेगली, वी. (1983), एरिकेमेडु रिकन्सीडर्ड, अमेरिकन जर्नल ऑफ आर्कियोलॉजी 87 (4), 461–481,

85. बेगली, वी. (2004), द डेटिंग ऑफ एरिकेमेडु एंड इट्स बीयरिंग ऑन दि आर्क्योलॉजी ऑफ अर्ली हिस्टोरिकल साउथ इंडिया। इनः साउथ इंडिया होराइजंस (जे. एल. चेलविलार्ड और ई. वाइल्डर, एडि.)। इंस्टीट्यूट फ्रैंच डी पांडिचेरी/इकोल फ्रेंकाइसे डी'एक्स्ट्रूरमे–ओरिएंट, पॉन्डिचेरी, पेज 513–537.

86. भारद्वाज, एच.सी. (1997), टाउन प्लानिंग, बिल्डिंग एंड बिल्डिंग मटीरियल्स इनः हिस्ट्री ऑफ टैक्नोलॉजी इन इंडिया। (ए.के. बाग, एडि.)। इंडियन नेशनल सांइस एकेडेमी, नई दिल्ली, वॉल्यूम। 1, पेज 498–523.

87. नायर, के.एस. (2004) रोल ऑफ वाटर इन द डैवलपमैंट ऑफ सिविलाइजेशन इन इंडिया–ए रिव्यू ऑफ एनसियंट लिटरेचर, ट्रेडिशनल प्रैक्टिसेज एंड बिलीफ्स। द बेसिस ऑफ सिविलाइजेशन – वाटर साइंस? (प्रोसीडिंग ऑफ द यूनेस्को/आईएएचएस/आईडब्ल्यूआई) (ए सिम्पोजियम हैल्ड इन रोम दिसंबर 2003)। आईएएचएस पब्लि. 286.

88. बागची, के.एस और बागची, एस.एस. (1991) हिस्ट्री ऑफ ईरीगेशन इन इंडिया। पार्ट– । : ईरीगेशन इन एनसियंट इंडिया। (फ्रॉम 2295 बी.सी. अप टु 11th सैंचुरी)। ईरीगेशन एंड पावर, पेज 69–76.

89. श्रीनिवासन, टी.एम. (1976)। मैजरमैंट ऑफ रेनफाल इन एनसियंट इंडिया, आई जे एच एस 11.2, 148–57.

90. शॉ, जे. और स्टिक्लिफ, जे. (2003) वाटर मैनेजमैंट, पैट्रोनेज नेटवर्क्स एंड रिलीजियस चेंजः न्यू इवीडैन्स फ्रॉम दि सांची डैम कॉम्पलेक्स एंड काउंटर पार्ट्स इन गुजरात एंड श्रीलंका, साउथ एशियन स्टडीज, 19: 1, 73–104, डीओआईः 10.1080/026666030.2003.9628622.

91. कीलहॉन, एफ. (1906), "जूनागढ़ रॉक्स इन्सक्रिप्शन्स ऑफ रूद्रादमनः द ईयर 72", एपिग्राफिका इंडिया VIII, पेज 36–49.

92. शॉ, जे. और सुतक्लिफ, जे. (2001) एनसियंट ईरीगेशन वर्क्स इन द सांची एरियाः एन आर्क्योलॉजिकल एंड हाईड्रोलॉजिकल इन्वेस्टिगेशन, साउथ एशियन स्टडीज 17: 1, 55–75, डीओआईः 10.1080/026666030.2001.9628592.

93. सुटक्लिफ, जे. शॉ, जे. और ब्राउन, ई. हिस्टोरिकल वाटर रिसोर्सेज इन साउथ एशियाः द हाइड्रोलॉजिकल बैकग्राउंड, हाइड्रोलॉजिकल साइंसेज जर्नल, 56 (5): 775–88.

94. जिनसेन एम. (1985), मोहन जोदड़ो, सिटी ऑफ द इंडस वैली, एंडेवर, न्यू सिरीज, वॉल्यूम 9, नंबर 4, पेरगामन प्रेस, प्रिंटेड इन द ग्रेट ब्रिटेन, लंदन, यूके।

95. जिनसेन एम. (1989), वाटर सप्लाई एंड सीवेज डिस्पोजल एट मोहन जोदड़ो, वर्ल्ड आर्कियोलॉजी 21 (2), 177–192,

96. मजूमदार, पी.पी. और जैन, एस. (2018), हाईड्रोलॉजी इन एनसियंट इंडियाः सम फैस्सीनेटिंग फैक्ट्स, जियोफिजिकल रिसर्च एबस्ट्रैक्ट्स, ईजीयू जनरल एसेम्बली, वॉल्यूम 20, ईजीयू 2018, 8690.

97. नायर, के.एस. (2004)। रोल ऑफ वाटर इन दि डैवलपमैंट ऑफ सिविलाइजेशन इन इंडिया–ए रिव्यू ऑफ एनसियंट लिटरेचर, ट्रेडिशनल प्रैक्टिसेज एंड बिलीफ्स, द बेसिस ऑफ सिविलाइजेशन–वाटर सांइस? (प्रोसीडिंग ऑफ द यूनेस्को/आईएएचएस/ आईडब्ल्यूएचए, ए सिम्पोजियम हैल्ड इन रोम दिसम्बर 2003), आईएएचएस पब्लि. 280.

BIBLIOGRAPHY

A Primary Sources

1. Rig Veda Samhita (3000 B.C.), (i) Bhasya by Maharshi Dayananda Saraswati (Hindi), Published by Dayananda Sansthan, New Delhi-5.

   (ii) Bhasye by Swami Satyaprakash Saraswati (English), Pub-lished by Veda Pratisthan, New Delhi.

2. Sam Veda (3000 B.C.) Bhasya by Swami Dayananda Saraswati, Published by Dayananda Sansthan, New Delhi-5.

3. Yajur Veda (later than Rig Veda), Bhasya by Swami Dayananda Saraswati, (Hindi) Dayananda Sansthan, New Delhi-5.

4. Black Yajur Veda (Taithiriya Sanhita) (Later than Rig Veda), Edited by Pt. Shripad Damodar Satvalekar, Swayadhya Mandal, Maradi, Disit. Balsod, Gujara.

5. White Yajur Veda (Vajasaney Sanhita) (Later than Rig Veda, English Trans. By R.T.H. Griffith, Munsiram Manohar lal Publishers, Rani Jhansi Road, New Delhi, 1987.

6. Atharva Veda (the latest Veda), Bhasya by Pt. Khem Karan Das Trivedi, Sarvadeshik Arya Pratinidhi Sabha, Maharshi Dayananda Bhavan, Ramlila Maidan, New Delhi.

7. Satapatha Brahmana (2000 B.C.), Edited by Pt. Ganga Prasad Upadhyaya. The Research Institute of Ancient Sanskrit Studies, New Delhi-8.

8. Gopatha Brahmana (much later than 1000 B.C.), Bhasya by Pt. Khem Karan Das Trivedi, Edited by Dr. Prajna Devi and Medha Devi, Published by Atharvaveda office, 34, Lukarganja, Allahabad, 1977.

Epics

9. The Vaimiki Ramayana (800 B.C. to 200 B.C.), Gita Press, Gorakhpur, in two volumes with Hindi translation.

10. The Mahabharata (400 B.C. to 400 A.D.) Translated by Pt. Ramanarayana Datta Shastri, Pandeya 'Ram" Gita Press, Gorakhpur in six volumes.

Smriti

11. Manusmriti (200 B.C. or earlier than that), Edited by Pt. Haragovinda Shastri, Chowkhamba Sanskrit Series Office, Varanasi -221 001, 1984.

Philosophica System

12. Vaisesika Sutra of Kanada (Pre-Buddhist, 600-700 B.C.), Translated by A.E. Gough, Oriented Books Reprint Corporation. 54, Rani Jhansi Road, New Delhi-110 055,1975.

Grammer

13. Panini's Astadhayayi (700 B.C.), Bhasya by Brahmadatta Jijnasu, published by Ramlal Kapoor Trust, Nahalagarh, Sonipat, Haryana, 1985 two volumes.

Polity

14. Arthasastra (Kautilya, 400 B.C.), Ed by R. Shamashastri, Eng. Trans: Ibid. Mysore printing and publishing House, Mysore, 1967.

Puranas (6th century B.C. to 700 A.D.)

15. Brahmanda purana (3rd, 4th century A.D.) Edited by Dr. Chamana Lal Goutam, Published by Sanskrit Sansthan Ved Nagar, Bareilly-243 003, two volumes, 1988.
16. Garuda Purana, published by Tejkumar Book Depot Pvt. Ltd. Lucknow-26001, 1989.
17. Kurma Purana, Edited by Pt. Shri Ram Sharma, Sanskrit Sansthan, Ved Nagar, Bareilly, two volumes, 1986.
18. Linga Purana, Ibid. 1987.
19. Markandeya Purana, Hindi Trans. By Dr. Dharmendranath Shastri, Sahitya Bhanda, Subhash Bazar, Meerut-250 002, First Edition, 1983.
20. Matsya Purana (6th century B.C. to 4th century A.D.), Edited by Pt. Shri Ram Sharma, Veda Nagar, Breilly (UP), two volumes, 1989.
21. Narada Purana, Ibid., 1984.
22. Padma Purana, Ibid., 1986.
23. Skanda Purana, (7th century A.D.), Ibid. 1988.
24. Vayu Purana, Hindi Trans. By Rama Pratap Tripathi Sastri, Hindi Sahitya Sammelan Prayag, 12, Sammelan Marg., Allahabad, 1987.
25. Visnu Purana: Same as 24th above, 1989.

Astronomical Works

26. Vrhat Sanhita (550 A.D.) by Varahamihira, Edited and Bhasya by Pt. Achyntanada Jha, Chow Khamba Vidyabhawan, Varanasi=221 001 1988.
27. Mayurcitraka (Nardiya), Manuscript No. 34332, Kept at Saraswati Bhavan Library of Sampurnananda Sanskrit University, Varanasi.
28. Meghamala (around 900 A.D.), Manuscript No. 37202, Kept at the Saraswati Bhavan Library of above University.

Others

29. Meghadutam of Kalidas (100 B.C.), Bhasya by Malinath, Edited by Dr. Jaya Shankar Tripathi, devabhasa Prakashan, Allahabad-6.
30. Kalidas Granthavall: Edited by Sitaram Chaturvedi, Chowkhamba Prakashan, Varanasi, 1980.
31. Mrcchakatika of Sudraka (6th Century A.D.), Hindi Trans. By Dr. Shrinivasa Shastry, Shahitya Bhavana, Subhash Bajar, Meeurt (UP), 1980.
32. Bhava Prakasha Nighantu by Bhava Mishra (16th century A.D.), with Commentary of Pt. Vishvanath Dwivedi Shastri, Motilal Banarasi Das publishers, Delhi-7 1988.

B Secondary Sources

33. Baker, B.N. and Horton, R.E. (1936). Historical Development of Ideas Regarding the Origin of springs and Ground Water, Trans of American Geophysical Union, Vol. 17, pp. 395-400.
34. Biswas, A.K. (1967). Hydrologic Engineering prior to 600 B.C. Jr. of the Hydraulic Division, ASCE, Vol. 93, Hy. 5, pp. 115-135.
35. Biswas, A.K. (1969). Science in India, Firma K.L. Mukhopadhyaya, Calcutta, 154 p.
36. Biswas, A.K. (1969). History of Hydrology, North Holland Pub ii. Co., Amsterdam, London, 336 p.
37. Chow, V.T. (1964). Hand Book of Applied Hydrology Mcgrew-Hill Company, New York.

38. Law, B.C.(1984). Historical Geography of Ancient India, Munshiam Manoharlal, New Delhi.

39. Pannikkar Raimundo, (1977). The Vedic Experience Mantra-ManjariMotilal Banarsidas, Delhi.

40. Parkhe, M.S. and Vasant, (1989). Yajna Krishi, Rasayanik Kheti ka Vikalp, Sthayi Vikas, Patrika, No. 1, Vol.3, 1989, pp.9-11.

41. Prakash, S.(1965). Founders of Sciences in Ancient India, The Research Institute of Ancient Scientific Studies, New Delhi.

42. Prasad, E.A.V. (1979). Water Quality in Bhavamsira's Bhava Prakasa, MASSLITSeries No.2, N.J. Publications, Tirupathi.

43. Prasad, E.A.V.(1980). Ground water in Varahamihira's Vrhat Sanhita. MASSLIT series No.1, Sri Venkateswara University Press, Tirupathi, India.

44. Prasad, V.T. B.S. Kumar, and S. Kumar,(1987). Water Resources Development in India – Its Central Role in the past and Crucial Significance for Future, Proc. Of the International Symposium on Water for Future, IAHR, Rome, pp. 19-34.

45. Rao, E.G.K. Kotekar, P.O.(1971). Exploration of Underground Water Springs According to the Ancient Hindus, Indian Jr. of History of Sciene, Vol. 6, No.2, P.139-146.

46. Seal, B.W.(1958) Positive Sciences of Ancient India, Motilal Banarasidass, New Delhi.

47. Sircar, D.C.(1971). studies in the Geography of Ancient and Medieval India, Motilal Banarasidass, New Delhi.

48. Srinivasan, T.M.(1970). A Brief Account of the Ancient Irrigation Engineering Systems Prevalant in South India, Indian Jr. of History of Science, Vol.5, No.2 1970, pp. 315-325.

49. Tripathi, M.P. (1969). Development of Geographical Knowledge in Ancient India, Bhartiya Vidya Prakashan, Varanasi-1, India.

50. Varshney, R.S. (1979)Engineering Hydrology, Nemchand and Bros., Roorkee (UP).

51. Shirsath, P.B. (2009). Irrigation Development in India: History & Impact, Water Technology Centre, WTC, IARI, New Delhi, http://indiairrigation.blogspot.com/2009/01/history-of-irrigation-developmentin_01.html.

52. McClellan, III. J.E. and Dorn, H. (2006). Science and Technology in World History: An Introduction. IInd Edition, the Johns Hopkins University Press 2715 North Charles Street Baltimore, Maryland 21218-4363.

53. Vuorinen, H.S. Juuti, P.S., and Katko, T.S. (2007). History of water and health from ancient civilizations to modern times. Water Science & Technology: Water Supply Vol. 7 No. 1 pp. 49–57.

54. Yannopoulos, S. I. Lyberatos, G. Theodossiou, N. Li. W., Valipour, M. Tamburrino, A. and Angelakis, A.N. (2015). Evolution of Water Lifting Devices (Pumps) over the Centuries Worldwide. Water 2015, 7, 5031-5060; doi:10.3390/w7095031.

55. Scarborough, V.L. (2003). The Flow of Power: Ancient Water Systems and Landscapes; School of American Research Press: Santa Fe, NM, USA, p. 204.

56. Ortloff, C.R. (2009). Water Engineering in the Ancient World—Archaeological and Climate Perspectives on Societies of Ancient South America, the Middle-East and South-East Asia; Oxford University Press: New York, NY, USA, p. 433.

57. Geritts, A.M.J. (2010). The role of interception in the hydrological cycle. Dissertation at the Water Resources Section, Faculty of Civil Engineering and Geosciences, Delft University of Technology, and at the Gabriel Lippmann Research Center, Luxembourg.

58. Horton, (1933). The role of infiltration in the hydrologic cycle. Trans. Amer. Geophys. Union, 14, 446-460.

59. Pandey, A. (2016). Society and Environment in Ancient India (Study of Hydrology). International Journal of Humanities and Social Science Invention, Vol. 5(2), pp.26-31.

60. Shaw, J. Sutcliffe, J. Lloyd-Smith, L. Schwenninger, J-L. and Chauhan, M. S. (2007). Ancient Irrigation and Buddhist History in Central India: Optically Stimulated Luminescence Dates and Pollen Sequences from the Sanchi Dams. Asian Perspectives, Vol. 46, No.1.

61. Angelakis, A.N. and Zheng, X.Y. (2015). Evolution of Water Supply, Sanitation, Wastewater, and Stormwater Technologies Globally. Water 2015, 7, 455-463; doi:10.3390/w7020455.

62. Hasan, F. (2011). Water History for Our Times. Published by the United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (UNESCO), International Hydrology Programme (IHP), 7, place Fontenoy, 75352 Paris 07 SP, France.

63. Hugo, V. (1982). Les Misérables, Trans. Norman Denny. Penguin Classics, New York, 2001.

64. Avvannavar, M.S. and Mani, M. A. (2008). Conceptual model of people's approach to sanitation. Sci. Total Environ. Vol. 390, pp. 1-12.

65. Sorcinelli, P. (1998). Storia sociale dell'acqua. Riti e Culture. Milano: Mondadori.

66. De Feo, G. and Napoli, RMA. (2007). Historical development of the Augustan Aqueduct in Southern Italy: twenty centuries of works from Serino to Naples.Water Sci Technol. Vol. 7:131–8.

67. Lofrano, G. and Brown, J. (2010). Wastewater management through the ages: A history of mankind. Science of the Total Environment, Vol. 408, pp. 5254–5264.

68. Maneglier, H. (1994). Storia dell'acqua. Milano: Sugar Co.

69. Tarr, JA. (1985). Historical perspectives on hazardous wastes in the United States. Waste Manage Res.; 3:95-113.

70. Viale, G. (2000). Un mondo usa e getta. Milano: Feltrinelli.

71. Sori, E. (2001). La città e i rifiuti — Ecologia urbana dal Medioevo al primo Novecento. Saggi, Bologna: Il Mulino.

72. Neri Serneri, S. (2007). The construction of the modern city and the management of water resources in Italy, 1880–1920. J Urban Hist., Vol. 33, pp. 813–27.

73. Kenoyer, J. M. (1997). Trade and technology of the Indus Valley: new insights from Harappa, Pakistan. World Archaeology 29 (2), 262–280.

74. Kenoyer, J.M. (1991). The Indus valley tradition of Pakistan and Western India. J. World Prehist. 5, 331–385.

75. Kenoyer, J.M. (1998). Ancient Cities of the Indus Valley Civilization; Oxford University Press/American Institute of Pakistan Studies: Karachi, Pakistan, pp. 1–260.

76. Khan, S. (2014). Sanitation and wastewater technologies in Harappa/Indus valley civilization (ca. 2600–1900 BC). Book Chapter, in 'Evolution of Sanitation and Wastewater Technologies through the Centuries' (Editors: A. N. Angelakis and J. B. Rose), IWA Publishing Alliance House, 12 Caxton Street London SW1H 0QS, UK, pp. 25-40.

77. Wolfe, P. (1999). History of wastewater. World of water 2000–the past, present and future. Water World/Water and Wastewater International Supplement to Penn Well Magazines, Tulsa, OH, USA; 1999.

78. Wright, R. P. (2010). The Ancient Indus: Urbanism, Economy, and Society. Cambridge University Press, New York, 396.

79. Fardin, H.F. Hollé, A. Gautier, E. Haury, J. (2013). Wastewater management techniques from ancient civilizations to modern

ages: Examples from South Asia. Water Sci. Technol. 13, 719–726.

80. Kirk, W. (1975). The role of India in the diffusion of early cultures. The Geographical Journal 141 (1), 19–34.

81. Mate, M. S. (1969). Building in ancient India. World Archaeology 1(2), 236–246.

82. Singh, U. (2008). History of Ancient and Early Medieval India: From the Stone Age to 12th Century. Pearson Education/Dorling Kindersley, New Delhi, 704 p.

83. Casal, J. M. (1949). Les fouilles de Virapatnam-Arikamedu. Comptesrendus des séances de l'Académie des Inscriptions et Belles-Lettres, 93rd years, 2, pp. 142–147.

84. Begley, V. (1983). Arikamedu reconsidered. American Journal of Archaeology 87 (4), 461–481.

85. Begley, V. (2004). The dating of Arikamedu and its bearing on the archaeology of early historical South India. In: South Indian Horizons (J. L. Chevillard & E. Wilder, eds.). Institut Français de Pondichéry/Ecole Française d'Extrême-Orient, Pondicherry, pp. 513–537.

86. Bharadwaj, H. C. (1997). Town planning, building and building materials. In: History of Technology in India (A. K. Bag, ed.). Indian National Science Academy, New Delhi, Vol. 1, pp. 498–523.

87. Nair, K.S. (2004). Role of water in the development of civilization in India—a review of ancient literature, traditional practices and beliefs. The Basis of Civilization ~ Water Science? (Proceedings of the UNESCO/IAHS/IWI [a symposium held in Rome. December 2003). IAHS Publ. 286.

88. Bagchi, K.S. and Bagchi, S.S. (1991). History of Irrigation in India. Part I: Irrigation in Ancient India (from 2295 BC up to 11th Century). Irrigation and Power, pp. 69-76.

89. Srinivasan, T. M.(1976). Measurement of Rainfall in Ancient India, IJHS 11.2, 148-57.

90. Shaw, J. and Sutcliffe, J. (2003) Water Management, Patronage Networks and Religious Change: New evidence from the Sanchi dam complex and counterparts in Gujarat and Sri Lanka, South Asian Studies, 19:1, 73-104, DOI:10.1080/02666030.2003.9628622.

91. Kielhorn, F. (1906). "Junagadh rock inscription of Rudradaman: the year 72", Epigraphica Indica VIII, pp. 36-49.

92. Shaw, J. and Sutcliffe, J. (2001) Ancient irrigation works in the Sanchi area: an archaeological and hydrological investigation, South Asian Studies, 17:1, 55-75, DOI: 10.1080/02666030. 2001.9628592.

93. Sutcliffe, J. Shaw, J. and Brown, E. (2011). Historical water resources in South Asia: the hydrological background. Hydrological Sciences Journal, 56(5): 775–88.

94. Jansen M. (1985). Mohenjo-Daro, city of the Indus Valley, Endeavour, New Series. Volume 9, No. 4, Pergamon Press,Printed in Great Britain, London, UK.

95. Jansen M. (1989). Water supply and sewage disposal at Mohenjo-Daro. World Archaeolgy 21(2), 177–192.

96. Majumdar, P.P. and Jain, S.K. (2018). Hydrology in Ancient India: Some Fascinating Facets. Geophysical Research Abstracts, EGU General Assembly, Vol. 20, EGU2018-8690.

97. Nair, K.S. (2004). Role of water in the development of civilization in India-areview of ancient literature, traditional practices and beliefs, The basis of Civilization-Water Science? (Proceedings of the UNESCO/IAHS/IWHA, symposium held in Rome December 2003), IAHS Pubi. 286.